भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 1750**
**13 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए**

**इस्पात उत्पादन की वृद्धि में राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2017 की भूमिका**

**1750. श्रीमती साधना सिंहः**
**श्री शंभू शरण पटेलः**
**श्रीमती सीमा द्विवेदीः**
**श्री दीपक प्रकाशः**
**श्री बृज लालः**
**श्री मनन कुमार मिश्रः**
**श्री नरहरी अमीनः**
**श्रीमती माया नारोलियाः**
**श्रीमती दर्शना सिंहः**

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में इस्पात उत्पादन क्षमता की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) देश में इस्पात उत्पादन की वृद्धि में राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2017 की भूमिका और 2030 तक इस वृद्धि को बनाए रखने का रोडमैप क्या है; और
(ग) क्या एनएसपी, 2017 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में रणनीतिक उपयोग के लिए विशेष इस्पात और मिश्र धातुओं के घरेलू उत्पादन को सुनिश्चित करने के अनुरूप है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)

(क) देश में वर्तमान क्रूड स्टील की क्षमता 218 मिलियन टन है।

(ख) से (ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल नीतिगत माहौल सृजित कर सुविधाकर्ता की भूमिका निभाती है। निवेश, क्षमता वृद्धि, रोजगार, इस्पात संयंत्र की स्थापना आदि जैसे निर्णय कंपनियों के प्रौद्यो-वाणिज्यिक विश्लेषण के आधार पर लिए जाते हैं। राष्ट्रीय इस्पात नीति (एनएसपी), 2017 सरकार और इस्पात क्षेत्र को एक तकनीकी रूप से उन्नत तथा वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग के तौर पर विकसित करने की दिशा में नीतिगत मार्गदर्शन प्रदान करती है, जो आर्थिक विकास को समर्थन देती है। सरकार ने रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रमें रणनीतिक उपयोग हेतु विशेष इस्पात और मिश्र धातुओं के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजना (पीएलआई योजना) प्रारंभ की है।

******